

ARIBITY! EXTRAORDINARY

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

र्ष. 257] **गई बिल्ली, वृहस्पतिबार, विसम्बर 1, 1988/अग्रहायण 10, 1910** No. 257) NEW DELHI, THURSDAY, DECEMBER 1, 1988/AGRAHAYANA 10, 1910

n e la littre da luce a l'industria de la companya de la companya de matter de la companya de la companya de la compa

इस भाव में भिम्स पृष्ठ संबंधा की **जाती हैं जिसकों कि यह** अलग संकलन के रूप में रखा जा सकी

and the control of th

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation

वाणिक्य मंत्रालय

(निर्मात ज्यापार नियंत्रण)

್ಷಾಕ್ಷಕ್ಕು ನಿರ್ಣಿಸಿದ್ದರು. ಇದರುವ ರಾಜ್ಯವ ರುಗಾಹಿಕ್ಕರ ಮುದ್ದ ಹಿಟ್ಟರಾಗಾಗಿ ಚಾರು, ಸಂಪರ್ಣಗಳ ವಿಧ್ಯಾನಗಳು ಅತ್ಯಂತ ಕಾರ್ಕಿ

मार्जजनिक सुजना सं. 39 र्ष. टी. मी. $(41. \ \sqrt{2} + 1)/86$ मंद्र दिल्ली, 1 दिसम्बर, $1.988^{\frac{1}{2}}$

भिषय: - बाजरा और ज्वार का निर्मात !

फा. सं. 40(43)/88/ई-II: आयात निर्यात मीति 1988-91। खाड 2) के घाए है के पाँची एट 4 की सूची-1 की कम सं. 6(vii) और (viii) की ओर ब्यान दिनाया असा है, निराके अनुमार उपर्युक्त नीति पुस्तक के भाग-5 के पैरायाफ 4-6 में की मई प्रक्रिया प्रनुमार माजरा और कवार का निर्णान सीमत सीमा में भनुमेन है।

3079 GU88

- 2. उन्त नौति पुस्तक के भाग-1 के पैरा 12(3) की शतिनुसार बाजरा और ज्वार के निर्यात के सम्बन्ध में निम्नलिखित विशेष प्रक्रिया उपयोग में लाने का निर्णय लिया गया है।
- 3. बाजरा और ज्वार की निर्यात की तीलिंग को कृषि और संसाधित जाय उत्पाद निर्वात विकास शामि-करण, नई दिस्ली (ए.पी.ई.डी.ए.) के लिपटान पर रखा गया है,
- 4. निर्यात की अनुमति पहले हाओ पहले पाओं के आधार प्रेर उन संविदाओं पर होगी के 100% अपरि-वर्तनीय साख-पत्नों द्वारा समयित हों। निर्यातक, कृषि और एंसाबित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास अधिकारण की आवेदन शेजते समय एक वैंक गारस्टी भी प्रस्तुत करेंगें जो कि अपरिवर्तनीय साखपत के अनुकार जहाज पर्यन्त, निसुत्क मृत्य के एक प्रतिग्रत के बराबर होगी, यदि 31 मार्च, 1989 तक निर्यात वहीं किया जाएगा तो वैंक गारस्टी जब्न कर ती जाएगी। ऐसी जब्त की गई राणि को सरकारी खाते में जमा कर दिया जाएगा।
- 5. उपर्युक्त कर्तों को पूर्ण करने पर कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण निर्यातकों केंद्र संशित खाद्य जारी करेगा जिनमें पूरा विवरण जैने निर्यातक का नाम, ग्रावेश और अपरिवर्तनीय साख्यत की सं. एवं तारीख अनुमेय मात्रा, जहाज पर्यन्त निज्ञला पूल्य और गन्तव्य स्थान इत्यादि दर्णाया जाएणा । उसके बाद निर्यातक सम्बन्धित पत्तन लाइसेंसिंग प्राधिकारी के पास जाएगा और उसे सीवित सिल्य प्रस्तुत करेगा । सीवित सिल्य के प्रस्तुतीकरण पर पत्तन लाइसेंसिंग प्राधिकारी उन्हें मीव्य ही निर्यात लाईसेंच जारी करेंगे और मह सीवित सिल्य के प्रस्तुतीकरण के 48 वन्दे के भीतर प्रत्येक पितिस्थित में जारी कर विया जाएगा । निर्या लाइसेंस 31 मार्च, 1989 तक विधिमान्य रहेगा। कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण सीवित्य समान्त होते ही सीवित्य स्थिण जारी करना बन्द कर देया । कृषि और संसाधित खाद्य उत्पाद विकास प्राधिकरण 31 मार्च, 1989 के उत्पान कोई सीवित्य सिल्य जारी नहीं करेगा. चाहे सीवा मात्रा ग्रायुक्त भी रहा गई हो।
- 6. पत्तीन लाइसेंसिय प्राधिकरण द्वारा जारी किए गए निर्यात जाइसेंस के आधार पर निर्यात सीमाधाल्य प्राधि-कारियों द्वारा श्रनतेय किया जाएगा ।

के.वी. इरनीराया, मध्य नियंत्रक, आधात-निर्याट

MINISTRY OF COMMERCE (EXPORT TRADE CONTROL)

PUBLIC NOTICE NO. 39-ETC (PN) 88

New Delhi, the 1st December, 1988

Subject :- Export of Bajra and Jowar

- F. No. 40 (43) |88|E.II:—Attention is invited to Serial Number 6(vii) and (viii) of List I of Appendix 4 of Section III of Import and Export Policy 1988-91 (Vol. II), in terms of which export of Bajra and Jowar is allowed against limited ceiling as per the procedure laid down at paragraphs 4-3 of Section V of said policy book.
- 2. It has been decided to devise the following special procedure in terms of para 12(3) of Section I of said policy book in respect of export of Rajra and Jowar.

- 3. The ceiling for export of Bajra and Jowar will be placed at the disposal of Agricultural & Processed Food Products Export Development Authority, New Delhi (APEDA)
- 4. Export will be allowed on the basis of first-come, first-served basis against the contracts backed by 100 per cent Irrevocable. Letter of Credit Exporters while applying to APEDA would also submit a Bank Guarantee equivalent to one percent of f.o.b. value as per Irrevocable Letter of Credit which would be forfeited in case the exports do not take place by 31st March, 1989. The amount so forfeited shall be credited to the Government Account.
- 5. On fulfilment of the above conditions, the APEDA would issue ceiling slips to the exporters indicating full particulars—such as name of the exporter, No. and date of Order and Irrevocable Letter—of Credit, quantity—allowed, f.o.b. value and the destination etc. The exporters then—shall approach—the concerned port licensing authority and submit the ceiling slip. On presentation of ceiling slip,—the port—licensing—authorities—shall issue—export licence expeditiously and in any case not beyond 48 hours after—the presentation—of ceiling slip. Export licence will have a validity period upto 31st March, 1989. APEDA would stop issuing ceiling—slip as and when the ceiling is exhausted. APEDA will not issue any ceiling slip after 31st March, 1989 even if a quantity of ceiling is left unutilized.
- 6. Export will be allowed by the Customs authorities on the basis of export licence issued by the port licensing authority.
 - K. V. IRNIRAYA, Chief Controller of Import & Exports.